UNIVERSITY NEWS 09 SEPTEMBER 2026

AMAR UJALA

बाजार व ब्रांड प्रबंधन के बारे में जाना

लखनऊ। लखनऊ विवि के मैनेजमेंट विभाग ने अपने नए एमबीए बैच का स्वागत किया। दीक्षारंभ 2026 के तहत आयोजित कार्यक्रम के छठे दिन छात्रों को व्यावसायिक जगत के लिए तैयार करने पर जोर दिया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. रितु नारंग ने कहा, एमबीए का सफर सिर्फ अकादमिक डिग्री तक सीमित नहीं है बल्कि यह नजरिया, आत्मविश्वास और ईमानदारी बनाने का एक मंच है। पूर्व छात्र मो. सैफ ने बदलते व्यावसायिक माहौल में आगे बढ़ने के लिए क्षमता विकसित करने को कहा। वहीं, भाषा विश्वविद्यालय में 'मास्टर इन एआई एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट' विषय पर सेमिनार हुआ। आयोजन जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग ने इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मीडिया के सहयोग से किया। सप्लाई चेन एवं लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के विशेषज्ञ डॉ. नितिन एस. टुपे ने विद्यार्थियों को जानकारी दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि में अब ज्यादा छात्राओं को मिलेगा शोध मेधा छात्रवृत्ति का लाभ, कल तक करें आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शोध मेधा छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस बार 20 से अधिक महिला शोधार्थियों को इसका लाभ मिलेगा। छात्रवृत्ति के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 सितंबर है। पहले वर्ष 2021-22 में 10 छात्राओं का चयन होता था। छात्र कल्याण परिषद की डीन अमिता कनौजिया ने बताया कि वर्ष 2025-26 में 20 छात्राओं को लाभ मिला था। कुलपति जेपी सैनी ने सत्र 2026-27 में छात्राओं की संख्या और बढ़ाने पर सहमति दी है। चयनित शोधार्थियों को प्रति माह पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह सहायता अधिकतम तीन वर्ष तक प्रदान की जाती है। जेपी सैनी ने कहा कि यह पहल बेटियों को उच्च शिक्षा और शोध में आत्मनिर्भर बनाएगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

डॉ. ध्रुवसेन सिंह।

प्रो. जसवंत सिंह।

वीडियो के लिए स्कैन करें।

लखनऊ विवि के प्रोफेसर ध्रुवसेन सिंह ने कहा कि जल, थल और वायु जैसी प्राकृतिक नेमतें हमें मुफ्त में मिली हैं लेकिन हमने केवल इनका दोहन किया। अब प्रकृति को लौटाने की जरूरत है। जागरूकता और जनभागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज हर व्यक्ति ट्रीट किया हुआ पानी पीता है। समय रहते नहीं चेते तो कहीं ऐसा न हो कि हमें भविष्य में ट्रीट की हुई हवा में सांस लेनी पड़े। पर्यावरण वैज्ञानिक प्रो. जसवंत सिंह ने कहा कि जीवनशैली को इस तरह बदलना होगा कि पृथ्वी प्रदूषण मुक्त, स्वच्छ और सुंदर बनी रहे। जल और बिजली बचाने के साथ प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करना होगा। पेड़ मुफ्त में हवा को शुद्ध करते हैं, इसलिए पीपल, पाकड़ और नीम जैसे पेड़ अधिक से अधिक लगाए जाने चाहिए।

AMRIT VICHAR

शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय में 160 विद्यार्थियों को मानसिक व प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

अमृत विचार : मानसिक स्वास्थ्य, नशे की रोकथाम और प्रजनन स्वास्थ्य को लेकर मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान और फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफपीएआई) के सहयोग से हुए कार्यक्रम में करीब 160 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मुख्य वक्ता बलरामपुर अस्पताल की साइकोलॉजिस्ट डॉ. रजनीगंधा श्रीवास्तव ने कहा कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, संतुलित आहार, आत्म-देखभाल और सकारात्मक सोच को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मानसिक या भावनात्मक परेशानी को नजरअंदाज करने के बजाय समय रहते विशेषज्ञ की मदद लेना जरूरी है।

मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला ने नशे से दूरी और स्वस्थ आदतों को बेहतर भविष्य की कुंजी बताया। कार्यक्रम में तंबाकू, शराब, धूम्रपान और वेपिंग के दुष्प्रभावों के साथ-साथ साथियों के दबाव से बचने, स्वस्थ संबंधों और जिम्मेदार व्यवहार पर चर्चा हुई।

विद्यार्थियों को गर्भनिरोधक और प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़ी वैज्ञानिक एवं सही जानकारी देकर सुरक्षित निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया गया। संवादात्मक सत्र में विद्यार्थियों ने खुलकर सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने समाधान किया।

कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विभाग की अध्यक्ष डॉ. शशि कनौजिया, एफपीए इंडिया की प्रोग्राम ऑफिसर वर्तिका दुबे, रितिक यादव, श्वेता सिंह, जान्हवी बरनवाल सहित शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

AMRIT VICHAR

लविवि में विधिक दर्शन पर व्याख्यान देते डॉ. भानु प्रताप व अन्य।

विधिक प्रत्यक्षवाद पर व्याख्यान

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि के दर्शनशास्त्र विभाग में 'विधिक प्रत्यक्षवाद तथा आलोचनात्मक विधिक अध्ययन' विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. भानु प्रताप ने विधि की वैधता, सामाजिक-संस्थागत प्रक्रिया और उसके सामाजिक निहितार्थों पर विचार रखे। उन्होंने आलोचनात्मक विचारधारा द्वारा पारंपरिक विधिक प्रत्यक्षवाद की निश्चितता व तटस्थता को दी गई चुनौती पर प्रकाश डाला।

एमबीए दीक्षारंभ कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व शिक्षक।

एमबीए सिर्फ डिग्री नहीं, यह नजरिया और आत्मविश्वास

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मैनेजमेंट डिपार्टमेंट में एक हफ्ते के इंडक्शन प्रोग्राम 'दीक्षारंभ 2026' के छठे दिन प्रो. रितु नारंग ने कहा कि एमबीए का सफर सिर्फ एकेडमिक डिग्री तक सीमित नहीं है यह नजरिया, आत्मविश्वास और ईमानदारी बनाने का एक मंच है। खुद को समझने, करियर की रणनीतिक योजना बनाने और पर्सनैलिटी प्रोफाइलिंग के बाद आखिरी दिन का फोकस अंदरूनी सोच को बाहरी कॉर्पोरेट एक्शन, नैतिक लीडरशिप और इंडस्ट्री के लिए पूरी तरह तैयार होने में बदलने पर था। विभागाध्यक्ष प्रो. रितु नारंग ने गेस्ट स्पीकर, शिक्षक और नए आए छात्रों का औपचारिक रूप से स्वागत किया। उन्होंने नए बैच को उत्सुकता, अनुशासन और मकसद के साथ अपने मैनेजमेंट सफर को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

HINDUSTAN

एलयू में विधिक प्रत्यक्षवाद पर व्याख्यान में मंथन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से सोमवार को विभागीय सेमिनार हॉल में विधिक दर्शन पर आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय विधिक प्रत्यक्षवाद तथा आलोचनात्मक विधिक अध्ययन: 21वीं सदी में विधिक विमर्श का स्वरूप रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के विधि संकाय के डॉ. भानु प्रताप उपस्थित रहे।

एमबीए छात्रों को मिले कॉरपोरेट सफलता के मंत्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मैनेजमेंट विभाग में एक सप्ताह लंबे इंडक्शन कार्यक्रम 'दीक्षारंभ 2026' के छठे दिन नए एमबीए बैच के छात्रों को कॉरपोरेट जगत की चुनौतियों, नेतृत्व क्षमता, पेशेवर नैतिकता और करियर निर्माण की रणनीतियों से रूबरू कराया गया। 31 अगस्त से 8 सितंबर तक कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अकादमिक के साथ उद्योग जगत के लिए तैयार करना रहा।

I NEXT

आज शहर के 40+ स्कूलों के यंग इनोवेटर्स देंगे फ्यूचर के सॉल्यूशन

निराला नगर स्थित होटल रेगनेंट में होगा एग्जीबिशन का आयोजन

अमृता विश्वविद्यापीठम और दैनिक जागरण आईनेक्स्ट लेकर आया सस्टेनेबल इनोवेटर्स एग्जीबिशन सीजन-4

ये रहेंगे ज्यूरी एक्सपर्ट

सस्टेनेबल इनोवेटर्स सीजन-4 में डॉ. नेहा साहू (असिस्टेंट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी, लखनऊ यूनिवर्सिटी) और प्रो. अनुराग के. श्रीवास्तव (डिपार्टमेंट ऑफ लॉ, लखनऊ यूनिवर्सिटी) ज्यूरी के रूप में उपस्थित रहेंगे. दोनों एक्सपर्ट्स स्टूडेंट्स के मॉडल्स को इनोवेशन, प्रैक्टिकैलिटी, सस्टेनेबिलिटी, सोशल इम्पैक्ट और फ्यूचर विजन के बेस पर परखेंगे.

डॉ. नेहा साहू

प्रो. अनुराग के. श्रीवास्तव

रिपोर्टिंग टाइम सुबह 8.30 बजे

एग्जीबिशन सुबह 10 बजे शुरू होगा और प्रतिभागी स्टूडेंट्स सुबह 8.30 बजे अपने मॉडल्स के साथ वेन्यू पर रिपोर्ट करेंगे. दिनभर मॉडल्स का शोकेस और असेसमेंट चलेगा, जिसके बाद दोपहर तक विनर्स के नाम सामने आएंगे.

LUCKNOW (8 Sep): कचरे का क्या ऐसा इस्तेमाल हो सकता है जिससे नई चीज तैयार हो जाए? क्या सड़कें सिर्फ ट्रैफिक संभालेंगी या बिजली भी बनाएंगी? क्या सोलर एनर्जी से पूरा शहर चल सकता है? ऐसे सवालों के जवाब अब सिर्फ किताबों में नहीं, स्कूल स्टूडेंट्स के मॉडल्स में तलाशे जाएंगे. 9 सितंबर बुधवार को होटल रेगनेंट, ऑफिसर्स कॉलोनी, निराला नगर में सस्टेनेबल इनोवेटर्स एग्जीबिशन सीजन-4 में 40 से ज्यादा स्कूलों के यंग इनोवेटर्स अपने आइडिया, एक्सपेरिमेंट और सस्टेनेबल सॉल्यूशन लेकर पहुंचेंगे. अमृता विश्वविद्यापीठम् और दैनिक जागरण आईनेक्स्ट के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस शोकेस में साइंस सिर्फ मॉडल में नजर नहीं आएगा, बल्कि रोजमर्रा की प्रॉब्लम्स के फ्यूचर फिक्स के रूप में सामने आएगा.

प्रॉब्लम-सॉल्विंग अप्रोच दिखेगी

इस बार कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के साइंस स्ट्रीम के स्टूडेंट्स टीम बनाकर अपने प्रोजेक्ट्स पेश करेंगे. सस्टेनेबिलिटी, वेस्ट मैनेजमेंट, रिन्यूएबल एनर्जी और स्मार्ट टेक्नोलॉजी जैसे एरियाज में तैयार किए गए मॉडल्स में बच्चों की क्रिएटिविटी के साथ-साथ उनकी प्रॉब्लम-सॉल्विंग अप्रोच भी नजर आएगी. यहां सवाल सिर्फ यह नहीं होगा कि मॉडल क्या करता है, बल्कि यह भी होगा कि यह आइडिया असल जिंदगी में कितना काम आ सकता है और कितनी बड़ी प्रॉब्लम को टारगेट कर सकता है. यानी छोटे मॉडल के पीछे छिपा बड़ा विजन इस इनोवेशन चैलेंज का सबसे अहम हिस्सा होगा.

कई लेवल पर होगा मुकाबला

मॉडल्स को लेकर मुकाबला भी कई लेवल पर होगा. इनोवेटर्स, बेस्ट टीम, यूनिक आइडिया, ज्यूरी चॉइस और पीपल्स चॉइस जैसे अवॉर्ड्स के जरिए अलग-अलग कैटेगरी में बेस्ट आइडियाज को पहचान मिलेगी. सभी प्रतिभागियों को मेडल और सर्टिफिकेट भी दिए जाएंगे.